धरती माता का पत्र

तुम सब मुझे अच्छी तरह से जानते हो। तुमने मेरे बारे में पढ़ा भी है। अत: मुझे नुकसान मत पहुँचाओ; क्योंकि लोग प्यार से, आदर से मुझे धरती माता कहते हैं। सदियों से मैंने तुम्हें माँ की तरह पाला-पोसा है। लोगों को मैंने अनाज दिया, फल दिए, मकान बनाने के लिए लकड़ी दी, वस्त्र के लिए कपास दी।

लेकिन आजकल ये लोग बड़े कृतघ्न होते जा रहे हैं। ये मेरे जंगल नष्ट कर रहे हैं। मोटरगाड़ियों के धुएँ से मेरी हवा को विषैली बना रहे हैं। कल-कारखानों से गंदा पानी छोड़कर मेरी नदियाँ मैली कर रहे हैं। इनको पता नहीं कि ऐसा गैर-जिम्मेदार बर्ताव करके

वे अपना अनिष्ट स्वयं कर रहे हैं। अब मेरी उम्मीदें तुम जैसे बच्चों पर हैं। जब तुम बड़े बनोगे अच्छी तरह से मेरी देखभाल करोगे। पेड़-पौधे लगाकर अपनी धरती माता को फिर से हरी-भरी बनाओगे।

ध्यान में रखो। जब पेड़-पौधे होंगे, चारों ओर हरा-भरा होगा तो हवा शुद्ध रहेगी। आवश्यक मात्रा में बारिश होगी। फसलें अच्छी होंगी। सभी ओर खुशहाली होगी।

लेकिन यह संतुलन एक बार बिगड़ गया तो सारा भू-भाग एक भयानक रेगिस्तान बन जाएगा।

अब चुनाव तुम्हारे हाथ में है!

तुम्हारी प्यारी

'धरती माता'

साभार : सुबोध भारती, भाग-2

अभ्यास-माला

1. आओ, इन्हें देखें, समझें और नारों को दोहराएँ :

आओ, समूह में बैठकर पर्यावरण संबंधी दो नारे बनाएँ :

2. आओ, जानें :

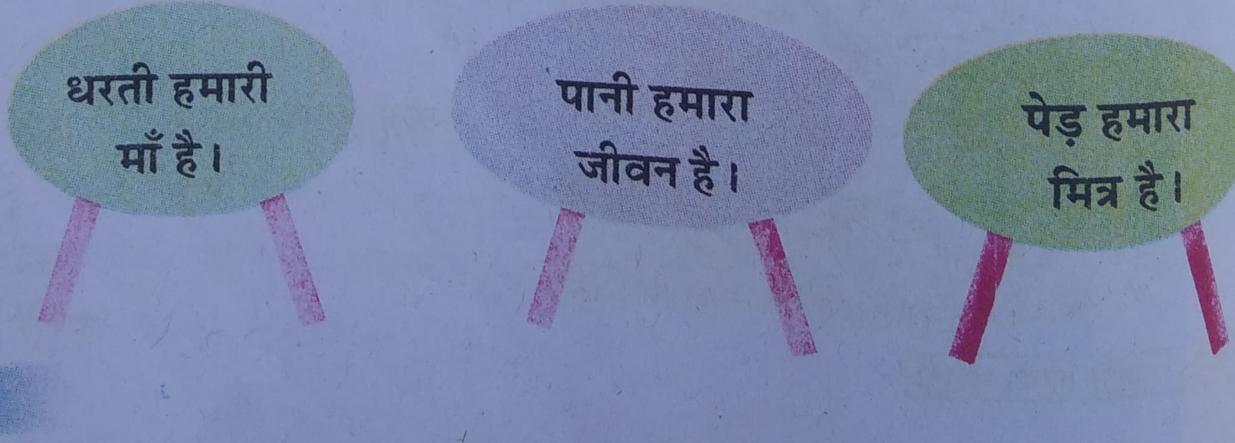

3. आओ, धरती माता के पत्र पर चर्चा करें।

4. आओ, चित्र को देखकर बातें करें :

5. आओ, नीचे की तालिका से शब्दों के जोड़े बनाएँ :

आस–पास	आस	पौधे	द्वार	कारखाना	काम-काज
पेड़-पौधे	कल	भरा	काम	पोसा	पाला-पोसा
हरा-भरा	हरा	पाला	बाल	पास	
कल-कारखाना	पेड़	घर	बच्चे	काज	

6. पूर्ण वाक्य में उत्तर दो :

(क) यह पत्र किसने किसको लिखा है ?

(ख) धरती माता की उम्मीदें किस पर हैं ?

(ग) धरती माता ने वस्त्र के लए हमें क्या दिया है?

7. आओ, समूह में चर्चा करें और कक्षा में उत्तर प्रस्तुत करें :

(क) धरती माता ने मनुष्य को क्या-क्या दिया है ?

(ख) लोग किस तरह धरती माता को नुकसान पहुँचा रहे हैं ?

(ग) पेड़-पौधे उगाने से क्या होता है ?

(घ) संतुलन बिगड़ जाने से हमारे भू-भाग पर क्या असर पड़ेगा ?

8. आओ, ध्यान से देखें :

(क)	**ऋ**	=	(ृ)	कृतज्ञ, कृतघ्न, कृषक
(ख)	**अं**	=	(ं)	गंदा, जंगल, अंत, अंक
(ग)	**अः**	=	(ः)	अतः, पुनः, प्रातः, छः

➲ अब ऋ, अं, अः का प्रयोग करके चार-चार शब्द बनाओ :

ऋ	....	....	....	....
अं	....	....	....	....
अः	....	....	....	....

9. आओ, देखें और समझें :

(क) लोगों <u>को</u> मैंने क्या-क्या नहीं दिया ?

(ख) तुम सब मुझे अच्छी तरह <u>से</u> जानते हो।

(ग) कल-कारखानों <u>से</u> गंदा पानी छोड़कर मेरी नदियाँ मैली कर रहें हैं।

अब 'को' और 'से' का प्रयोग करके खाली जगह भरो :

(i) राम ने रावण .... मारा।

(ii) बालक छत .... गिर पड़ा।

(iii) कलम .... लिखो।

(iv) प्यासे .... पानी दो।

(v) रोहन .... बुलाओ।

(vi) रीमा घर .... निकली।

10. पर्यावरण के ऊपर एक चित्र बनाओ और अपनी ओर से एक नारा लिखो।

11. आओ, रेखांकित शब्दों के विपरीतार्थक/विलोमार्थक शब्द (वृत्त में से) लिखकर खाली जगह भरें:

(क) गोपाल <u>अच्छा</u> लड़का है, लेकिन अब्दुल .... लड़का है।

(ख) नेहा <u>लंबी</u> है, लेकिन उसकी बहन .... है।

(ग) कुणाल <u>सुंदर</u> है, लेकिन उसका भाई .... है।

(घ) नदी का पानी <u>गंदा</u> है, पर नल का पानी .... है।

बुरा
नाटी असुंदर
साफ

12. आओ, मात्राओं को पहचानें, सीखें और अभ्यास करें :

अ	आ	ए	ऐ	ओ	औ	उ	ऊ	इ	ई	अं	अः
	ा	े	ै	ो	ौ	ु	ू	ि	ी	ं	ः
क	का	के	कै	को	कौ	कु	कू	कि	की	कं	कः
ख	खा	खे	खै	खो	खौ	खु	खू				
प											
म											

13. आओ, सुलेख लिखें :

हमें पेड़-पौधे लगाने चाहिए।

....

....

....

14. आओ, बारहखड़ी का प्रयोग देखें और लिखें :

आ	ा	आम, नाम, काम, राम ...., ..., ..., ...
इ	ि	दिन, गिन, मिल, किताब ...., ..., ..., ...
ई	ी	चील, झील, तितली, बिजली ...., ..., ..., ...
उ	ु	चुप, कुछ, दुःख, गुड़िया ...., ..., ..., ...
ऊ	ू	फूल, दूध, झूला, लड्डू ...., ..., ..., ...
ऋ	ृ	गृह, घृत, नृप, कृषक ...., ..., ..., ...
ए	े	सेब, पेड़, रेल, खेल ...., ..., ..., ...
ऐ	ै	बैल, पैर, थैला, सैनिक ...., ..., ..., ...
ओ	ो	मोर, गोल, ढोल, छोटी ...., ..., ..., ...
औ	ौ	कौआ, पौधा, चौदह, खिलौना ...., ..., ..., ...
अं	ं	हंस, पंख, रंग, अंदर ...., ..., ..., ...
अः	ः	प्रातः, छः, पुनः, दुःख ...., ..., ..., ...

15. (क) आओ, इन पर ध्यान दें :

र् + उ = रु   रुपया, गुरु, रुग्न, रुद्र

र् + ऊ = रू   रूप, रूमाल, रूपक, रूढ़

(ख) अब तुम रु, रू लगाकर तीन-तीन शब्द बनाओ :

रु ....

रू ....

16. (क) आओ, देखें, पढ़ें और सीखें :

च	ज	ञ	ट	ठ	ढ	ढ़	द	ण	प	ष	फ

चट चढ़
चख जल

टल मटर
ठग टमटम

दल दस
गढ़ पल

फल फण
ढमढम ऋषभ

(ख) इन्हें ध्यान से देखो :

च् + अ + ञ् + च् + अ + ल् + अ = चञ्चल / चंचल

क् + अ + ञ् + च् + अ + न् + अ = कञ्चन / कंचन

(ग) आओ, इन वर्णों से शब्द बनाएँ :

कमल	ल	म	क	....
....	न	ग	ब	....
....	ट	व	प	....

17. चित्रों को देखकर वाक्य बनाओ (यह, वह का प्रयोग करके) :

यह कलम है।

वह फूल है।

जान लें

निकटस्थ वस्तु के लिए ***यह*** और दूरस्थ वस्तु के लिए ***वह*** का प्रयोग होता है।

यह कलम नहीं है।

वह कलम है।

18. आओ, पाठ में आए कुछ शब्दों के अर्थ जानें :

धरती	=	पृथ्वी	नुकसान	=	क्षति
मकान	=	घर	अनाज	=	अन्न
बर्ताव	=	व्यवहार	गैर-जिम्मेदार	=	लापरवाह
संतुलन	=	समता	उम्मीद	=	आशा, भरोसा